*ॐ*

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय- हिन्दी

दिनांक—02/07//2020 व्याकरण-संज्ञा

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो!

प्रिय छात्रों, आज हम लोग हिंदी में ,व्याकरण पढ़ेंगे। व्याकरण में संज्ञा के भेद पढ़ेंगे।

## ***संज्ञा के भेद***

**संज्ञा के तीन प्रमुख भेद होते हैं-**

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा,**
2. **जातिवाचक संज्ञा और**
3. **भाववाचक संज्ञा।**

- **व्यक्तिवाचक संज्ञा--:** जो संज्ञा शब्द किसी विशेष नाम के व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध कराएँ उन्हें व्यक्तिवाचक कहते हैं।

  जैसे- सुभाषचंद्रबोस ,राम,श्याम, ताजमहल,पटना,आदि।

- **जातिवाचक संज्ञा--:** जो संज्ञा शब्द किसी संपूर्ण जाति का बोध कराए, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं;

  जैसे- शेर, मछली, पेड़,बच्चे,फल,मनुष्य,सड़क आदि।

यहाँ,' शेर','मछली' पेड़,बच्चे आदि शब्द किसी विशेष की ओर संकेत नहीं कर रहे। पेड़ कोई भी हो सकता है। अतः ये जातिवाचक संज्ञा है। मनुष्य, बालक, बालिका, शेर, फल, गेंद, बैट, सड़क इत्यादि शब्द व्यक्ति के नहीं, जाति के द्योतक हैं।

- **भाववाचक संज्ञा** --:जो शब्द किसी के गुण-दोष, भाव, दशा इत्यादि का बोध कराते हैं, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं;

जैसे-दशा---जवानी

बुढ़ापा

गुण-दोष—अच्छाई

बुराई आदि

क्रमशः

कुमारी पिंकी “कुसुम”